Dr. Priti Ranjan

H. O. D history department

H. D jain college ara

Notes for ug semester 1

प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं परंपरा - संक्षिप्त विवरण

प्राचीन भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन और निरंतर विकसित होने वाली संस्कृतियों में से एक है। इसकी विशेषता आध्यात्मिकता, मानवता, सहिष्णुता और समरसता में निहित है।

1. **आध्यात्मिक आधार:**
   भारतीय संस्कृति का मूल आधार धर्म और आध्यात्मिकता रहा है। "सत्यं वद, धर्मं चर" जैसे उपदेशों ने जीवन को नैतिकता और आचरण से जोड़ा। वेद, उपनिषद, गीता आदि ग्रंथों में आत्मा, ब्रह्म और कर्म की गहरी व्याख्या है।
2. **संस्कृति की विविधता और एकता:**
   भारत में भाषा, वेशभूषा, भोजन और रीति-रिवाजों की अपार विविधता होते हुए भी "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना से सब एक सूत्र में बंधे हैं।
3. **सामाजिक व्यवस्था:**
   परिवार भारतीय जीवन का केंद्र रहा है। संयुक्त परिवार, बड़ों का सम्मान, नारी को गृहलक्ष्मी मानना आदि इसकी विशेषताएँ हैं।
4. **शिक्षा और ज्ञान परंपरा:**
   तक्षशिला, नालंदा जैसे विश्वविद्यालय ज्ञान के महान केंद्र थे। गुरु-शिष्य परंपरा और वेद, आयुर्वेद, गणित, खगोलशास्त्र, दर्शन जैसे विषयों का विकास हुआ।
5. **कला, संगीत और स्थापत्य:**
   भारतीय संस्कृति में नृत्य, संगीत, मूर्तिकला, चित्रकला और मंदिर स्थापत्य का अद्भुत समन्वय है – जैसे अजंता-एलोरा की गुफाएँ, भरतनाट्यम, कथक, वेदिक संगीत आदि।

6. **जीवन-दर्शन:**
   भारतीय परंपरा ने "अहिंसा परमो धर्मः" और "सर्वे भवन्तु सुखिनः" का आदर्श दिया। यह केवल धार्मिक न होकर मानव कल्याण की सार्वभौमिक दृष्टि है।

संक्षेप में, प्राचीन भारतीय संस्कृति एक ऐसी समग्र जीवन-पद्धति है जो भौतिक और आध्यात्मिक दोनों पक्षों में संतुलन स्थापित करती है। इसमें व्यक्ति, समाज और प्रकृति के बीच समरसता की भावना विद्यमान है।